हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 97 | जौनपुर, मंगलवार 02 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

कश्मीर घाटी में नये साल का उत्साह अद्भुत रहा

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। कश्मीर घाटी में नये साल का जिस उत्साह के साथ स्वागत किया गया वह अद्भुत रहा। कुछ साल पहले तक शाम सात बजे के बाद घाटी में सड़कों पर लोग नहीं दिखाई देते थे लेकिन वक्त ने करवट बदली और अब हालात यह हैं कि कश्मीर में देर रात तक लोग उत्साह और उमंग से अपने त्योहारों और खास मौकों को सेलिब्रेट करते हैं। जिस कश्मीर में कट्टरपंथियों और अलगाववादियों के जमाने में लोग खुलकर नाच गा नहीं सकते थे वहां आज लोग दिल खोल कर नाच रहे हैं और सुरों की महफिल ऐसी जम रही है कि कश्मीर और कश्मीरियत की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। हम आपको बता दें कि श्रीनगर का ऐतिहासिक लाल चौक जोकि आतंक से सर्वाधिक प्रभावित इलाका था वहां रविवार शाम नये साल का स्वागत करने के लिए बड़ी भीड़ उमड़ी और बैंड तथा तेज संगीत के बीच लोग झूमते नजर आये। यह दृश्य कश्मीर के लिए अनोखे थे क्योंकि श्रीनगर या कश्मीर के किसी इलाके ने ऐसी शाम और रात इससे पहले कभी नहीं देखी थी।

डरा रहा कोरोना, मामलों में वृद्धि जारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 636 नए संक्रमण दर्ज किए जाने के साथ भारत में दैनिक कोविड मामलों में मामूली गिरावट देखी गई। इस बीच, तीन मौतों की सूचना मिली है – दो केरल से और एक तमिलनाडु से। वर्तमान में, सक्रिय मामलों की संख्या 4,394 है। यह रविवार को भारत द्वारा पिछले सात महीनों में 841 संक्रमणों के साथ एक दिन में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करने के बाद आया है। संख्या घटकर दोहरे अंक में आ गई थी, लेकिन ठंड के मौसम की स्थिति के साथ एक नए संस्करण के उभरने के बाद पिछले साल 5 दिसंबर से इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। महामारी के चरम पर दैनिक संख्या लाखों में थी, जो 2020 की शुरुआत में शुरू हुई ।

बिहार में पुलिस ने दलित महिला की पिटाई की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। बिहार के सीतामढी में एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से एक दलित महिला की पिटाई की। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। यह क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई है, जिसमें एक पुलिस अधिकारी, राज किशोर सिंह, वर्दी में सार्वजनिक दृश्य में एक महिला को छड़ी से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कुछ अन्य लोग देख रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर महिला पर तब आरोप लगाया जब वह और एक अन्य महिला सार्वजनिक रूप से झगड़ा कर रहे थे। हालांकि, पुलिस ने वीडियो की पुष्टि नहीं की है। सीतामढी के एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि अगर अधिकारी दोषी पाया गया तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी को बताया छोटा नेता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह के छोटे भाई उस समय विवादों में आ गए जब उन्होंने राहुल गांधी को महज एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता के अलावा कुछ नहीं बताया। लक्ष्मण सिंह एमपी के गुना शहर में कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे जब उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी को बड़ा नेता नहीं मानते हैं। जब पत्रकारों ने दावा किया कि लोकसभा में बयान देते समय कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का चेहरा टीवी पर कम दिखाया जाता है, तो लक्ष्मण सिंह ने कहा, राहुल गांधी एक सांसद हैं, वह (पार्टी) अध्यक्ष नहीं हैं और एक कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। यह राहुल गांधी कुछ भी नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने मीडिया से कहा कि आप लोगों को राहुल गांधी को इतना हाईलाइट नहीं करना चाहिए और न ही हमें करना चाहिए ।

सीएम योगी बोले- जनता की समस्याओं पर तत्काल हो कार्रवाई, हीलाहवाली अक्षम्य

गोरखपुर (एजेन्सी)। नववर्ष के पहले दिन कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नए साल के पहले दिन सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक फरियादी से मिले। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा मारे–पीटे जाने की पीड़ा बताई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। यदि कोई किसी की भूमि पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसे कानून सम्मत सबक सिखाया जाए। एक महिला द्वारा आवास की समस्या बताने पर सीएम योगी ने अधिकारियों को आवास का इंतजाम करने का निर्देश दिया। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सीएम ने इत्मीनान से उनकी समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा मारे–पीटे जाने की पीड़ा बताई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया।

सीएम योगी को सामने देख चौंक गए बच्चे, बोले- हैप्पी न्यू ईयर महराज जी

गोरखपुर (एजेन्सी)। नववर्ष का पहला दिन, गोरखनाथ मंदिर दर्शन–पूजन करने गए कुछ बच्चों के लिए यादगार बन गया। नए साल की पहली सुबह न केवल उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलाने वाली रही बल्कि उन्हें सीएम को हैप्पी न्यू ईयर बोलने और बदले में ढेर सारा प्यार–दुलार दिलाने वाली भी रही। संयोगवश सीएम योगी से मिलने का अवसर अकस्मात प्राप्त करने वाले बच्चों में से एक का जन्मदिन भी था, लिहाजा मुख्यमंत्री ने उसे अपने स्नेहिल आशीष से भी खूब अभिसिंचित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हमेशा की तरह सोमवार सुबह भी मंदिर परिसर का भ्रमण कर रहे थे। संयोग से यह नए साल का पहला दिन भी है। मंदिर परिसर का भ्रमण करते मुख्यमंत्री की नजर कड़ाके की ठंड में मंदिर में दर्शन पूजन करने आए कुछ बच्चों पर पड़ गई। उन्होंने प्यार से उन्हें अपने पास बुलाया। सीएम योगी से मुलाकात इस तरह हो जाएगी, इसका बच्चों को यकीन ही नहीं हो पा रहा था। प्रफुल्लित होकर वह मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और चरण स्पर्श कर बोल पड़े, श्हैप्पी न्यू ईयर महराज जी। यह सुनते ही मुख्यमंत्री मुस्कुराने लगे। सिर पर हाथ फेरकर शुभकामनाएं, आशीर्वाद देने के साथ उन्होंने बच्चों का नाम और उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। शिवम पटेल नाम के बच्चे ने बताया कि वह प्रयागराज का रहने वाला है और परिजनों के साथ धर्मस्थलों की यात्रा करते हुए गोरखनाथ मंदिर आया है।

यूपी में नए कानून के खिलाफ रोडवेज का चक्का जाम

नए सड़क दुर्घटना कानून के विरोध में नए साल के पहले दिन रोडवेज की अनुबंधित और निजी वाहनों के चालक हड़ताल पर चले गए हैं

लखनऊ (एजेन्सी) । नए सड़क दुर्घटना कानून के विरोध में नए साल के पहले दिन रोडवेज की अनुबंधित और निजी वाहनों के चालक हड़ताल पर चले गए हैं। इससे यूपी में सभी बसें खड़ी हो गई हैं। सुबह से ही रोडवेज परिसर में बसों का संचालन नहीं होने से यात्रियों की भीड़ लग गई। विभिन्न रूट पर बसों को लेकर निकलने में दोपहर 12 बजे तक बसों का संचालन नहीं हो सका। बसों का संचालन नहीं होने से बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए यात्रियों को गंतव्य तक जाने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर बाद कुछ रूटों पर एआरएम ने अनुबंधित बसों का संचालन करवाया। नए कानून के विरोध में सोमवार को रोडवेज की अनुबंधित और निजी बसों के चालकों के साथ ट्रक चालकों ने भी हड़ताल की। चालकों ने विरोध प्रदर्शन कर नए कानून का विरोध किया। नए कानून में सड़क हादसा होने पर आरोपी वाहन चालक को 10 साल की सजा और पांच लाख रुपये का जुर्माने का प्राविधान है। चालक नए कानून का लगातार विरोध कर रहे हैं। चालकों ने कहा कि वह रोजाना करीब 400 रुपये कमाते हैं। यदि हादसे में इस तरह से जुर्माना और सजा होगी तो परिवार भुखमरी के कगार पर आ जाएगा। जुर्माने की राशि कहां से देंगे। इसलिए ऐसा कानून न लाया जाए। सरकार ने जो कानून बनाया है, उनमें दुर्घटना होने पर 10 साल की सजा और पांच लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। पांच लाख रुपये हम कहां से देंगे। सरकार इस कानून को वापस ले। जब तक सरकार कानून वापस नहीं लेगी। तब तक हम हड़ताल पर रहेंगे। सोमवार सुबह अपने गंतव्य को जाने के लिए बस अड्डे पहुंचे यात्रियों को परेशान होना पड़ा। अयोध्या, बलिया, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, अमेठी, रायबरेली व आसपास के जिलों को जाने वाले यात्रियों को खासतौर पर परेशानी का सामना करना पड़घ। रोडवेज की बसें नहीं मिलने पर प्राइवेट सवारी वाहन की तलाश में लोग गोलाघाट और अन्य स्थानो पर पहुंचे तो वहां भी उन्हें कोई सवारी वाहन नहीं मिला। चालकों ने कहा कि वह रोजाना करीब 400 रुपये कमाते हैं। यदि हादसे में इस तरह से जुर्माना और सजा होगी तो परिवार भुखमरी के कगार पर आ जाएगा। जुर्माने की राशि कहां से देंगे। इसलिए ऐसा कानून न लाया जाए। सरकार ने जो कानून बनाया है, उनमें दुर्घटना होने पर 10 साल की सजा और पांच लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। पांच लाख रुपये हम कहां से देंगे। सरकार इस कानून को वापस ले। जब तक सरकार कानून वापस नहीं लेगी। यदि हादसे में इस तरह से जुर्माना और सजा होगी तो परिवार भुखमरी के कगार पर आ जाएगा। जुर्माने की राशि कहां से देंगे। इसलिए ऐसा कानून न लाया जाए।

सीएम योगी ने की समीक्षा बैठक, बोले- महोत्सव में लगाएं गोरखपुर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 11 से 13 जनवरी तक आयोजित होने वाले गोरखपुर महोत्सव में गोरखपुर के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाए। इसमें गोरखपुर पर केंद्रित विशिष्ट लेखों को लोगों के अवलोकनार्थ रखा जाए। साथ ही लुप्त हो रहे पारंपरिक वाद्य, गायन व नृत्य कलाओं को महोत्सव के जरिये प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाएं। सीएम योगी सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में गोरखपुर महोत्सव, खिचड़ी मेला की तैयारियों और जिले के विकास कार्यों की प्रगति को लेकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। गोरखपुर महोत्सव और खिचड़ी मेला की अब तक हुई तैयारियों की जानकारी लेने के बाद उन्होंने कहा कि जो भी कार्य शेष रह गए हैं, उन्हें शीघ्रता से पूरा कर लिया जाए। महोत्सव की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत वर्षों के महोत्सव में जो कलाकार प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं, उनकी बजाय नए स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाए। महोत्सव के स्टालों का उद्घाटन जनप्रतिनिधियों से कराया जाए। खिचड़ी मेला को लेकर उन्होंने कहा कि इस मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सुविधा और सहूलियत में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सभी कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का ध्यान हर हाल में रखा जाए।

राजनाथ सिंह बोले- यह हमारे लिए वोट पाने का राजनीतिक मुद्दा नहीं

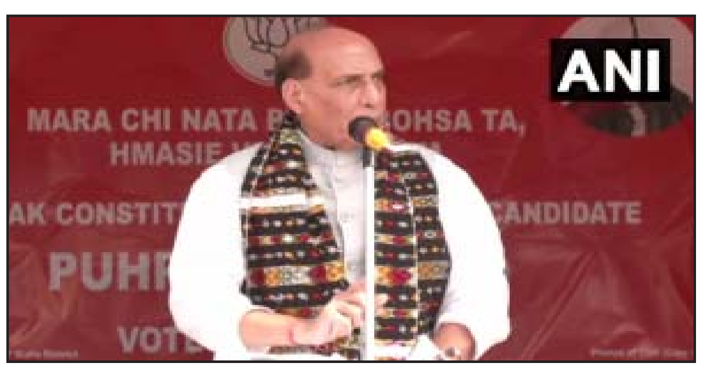

राम मंदिर से चुनावी लाभ मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां मौजूद रहेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राम मंदिर के उद्घाटन में कुछ हफ्ते बचे होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राम जन्मभूमि उनके लिए केवल एक राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक मुद्दा है। राम मंदिर से चुनावी लाभ मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही जब उनसे राम मंदिर से चुनावी लाभ मिलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमारे लिए वोट पाने के लिए यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, राम जन्मभूमि एक हमारे लिए सांस्कृतिक मुद्दा है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं किसी के कहने पर कुछ नहीं कहना चाहता। मैं भगवान राम से यही प्रार्थना करना चाहता हूं कि जिनकी बुद्धि किसी कारणवश खराब हो गई है, उनकी बुद्धि सुधार दी जाए। शुद्धि हो जाये। राम सबके थे, सबके हैं और सबके रहेंगे। आपको बता दें कि राम मंदिर को लेकर देश में राजनीति खूब हो रही है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राम मंदिर बनाने की इजाजत देने के बाद यह धीरे–धीरे एक राजनीतिक स्टंट और चुनावी मुद्दा बन गया...मेरा मानना घ्है कि वे बड़ी चतुराई से भगवान राम को धर्म की परिधि से राजनीति में लाने की कोशिश कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी गुट) नेता संजय राउत ने कहा था कि पीएमओ और सरकार अयोध्या से काम करेंगे। वे केवल राम के नाम पर वोट मांगेंगे क्योंकि उन्होंने और कुछ नहीं किया है। हम भी राम के भक्त हैं, वास्तव में, हम राम के सबसे बड़े भक्त हैं और हमारी पार्टी ने राम मंदिर के लिए बहुत बलिदान दिया है... वे हमारे देश को 5000 वर्ष पीछे ले गये हैं। उन्होंने कहा कि ये सब राजनीति है, बीजेपी के कार्यक्रम में कौन जाना चाहता है? यह कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम नहीं है. ये बीजेपी का कार्यक्रम है, ये बीजेपी की रैली है. श्उसमें पवित्रता कहां है?श...बीजेपी का कार्यक्रम खत्म होने के बाद हम (अयोध्या) जाएंगे। राम सबके थे, सबके हैं और सबके रहेंगे। आपको बता दें कि राम मंदिर को लेकर देश में राजनीति खूब हो रही है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राम मंदिर बनाने की इजाजत देने के बाद यह धीरे–धीरे एक राजनीतिक स्टंट और चुनावी मुद्दा बन गया...मेरा मानना है कि वे बड़ी चतुराई से भगवान राम को धर्म की परिधि से राजनीति में लाने की कोशिश कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी गुट) नेता संजय राउत ने कहा था कि पीएमओ और सरकार अयोध्या से काम करेंगे। वे केवल राम के नाम पर वोट मांगेंगे क्योंकि उन्होंने और कुछ नहीं किया है।

नए साल पर सीएम ने किया रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि की प्रार्थना की

गोरखपुर (एजेन्सी)। अंग्रेजी कैलेंडर का यह नववर्ष मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के लिए बेहद खास होने जा रहा है। 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के साथ ही गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का सपना साकार होगा।

ऐसे में सीएम योगी ने नए साल के पहले दिन की शुरुआत प्रभु श्रीराम के द्वारा भी पूजित देवाधिदेव महादेव के अभिषेक (रुद्राभिषेक) और हवन अनुष्ठान के साथ की। इस दौरान उन्होंने भगवान भोलेनाथ से समस्त नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति की प्रार्थना की। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नववर्ष के प्रथम दिन, सोमवार को प्रातःकाल मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में विधिविधान से रुद्राभिषेक किया। विद्वत आचार्य एवं पुरोहितगण ने रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

नये साल 2024 पर जेवर को मिला तोहफा, हुआ डिग्री कॉलेज का भूमि पूजन

जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह के परिश्रम और निरंतर प्रयास के कारण आज इस राजकीय कन्या महाविद्यालय का भूमि पूजन हुआ

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ज्ञात रहे कि दिनांक 16 अक्टूबर 2019 को 19वीं इम्पावर्ड कमेटी की बैठक में मेरी विधानसभा क्षेत्र जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर के विकास खंड दनकौर के ग्राम दौला रजपुरा में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय कन्या डिग्री कॉलेज के निर्माण के संबंध में स्वीकृति दी गई थी और जिसका केन्द्रांश भी उत्तर प्रदेश सरकार को तददिनांक के माध्यम से प्रेषित भी किया जा चुका था, लेकिन विभागों के आपसी टकराव की वजह से राजकीय कन्या महाविद्यालय निरस्त होने की स्थिति तक पहुंच गया था, लेकिन जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह के परिश्रम और निरंतर प्रयास के कारण आज इस राजकीय कन्या महाविद्यालय का भूमि पूजन हुआ। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना अंतर्गत यह राजकीय कन्या महाविद्यालय 11 करोड रुपए की धनराशि से 18 माह में बनकर तैयार होगा। साथ ही यह महाविद्यालय छात्राओं की शिक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगा। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि ष्उत्तर प्रदेश और जेवर में विकास की जो बयार बह रही है, उसने तत्कालीन सरकारों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। केंद्र और प्रदेश सरकार ने आम आदमी की जरूरत से जुड़ी योजनाओं को लागू किया है। जैसा कि विदित ही है कि जेवर विधानसभा में एक डिग्री कॉलेज में पढ़ाई प्रारंभ हो चुकी है तथा दूसरा राजकीय कन्या महाविद्यालय 90 प्रतिशत से भी अधिक बनकर तैयार हो गया है और यहां आगामी समय में पढ़ाई प्रारंभ हो जाएगी। तीसरा राजकीय कन्या महाविद्यालय भी शीघ्र जनता को समर्पित कर दिया जाएग, जिससे दादरी और सिकंदराबाद क्षेत्र को भी फायदा होगा। जेवर से विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि षशिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे हम आने वाली पीढिघ्यों के भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं। इस क्षेत्र में डिग्री कॉलेज खुलना, आस–पास व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। साथ ही स्थानीय छात्राएं इसका पूरा लाभ उठाएंगी तथा पास में ही बेटियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिलेगा।

जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने यह भी कहा कि ष्आजादी के 70 वर्ष बाद भी जेवर विधानसभा में कोई भी डिग्री कॉलेज नहीं था, जिसका दंश मुझे और यहां की जनता को झेलना पड़ रहा था, लेकिन मुझे गर्व है कि आज मेरी विधानसभा में 03–03 डिग्री कॉलेजों की स्थापना होने जा रही है। जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने यह भी कहा कि ष्तत्कालीन सरकारों में, जो गुंडे–माफिया आतंक फैलाकर, व्यापारियों व आम लोगों का पलायन कर रहे थे, विगत 06 वर्षों में, वह गुंडे माफिया अब खुद पलायन कर रहे हैं।

अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ कर रामनगरी से पूरे देश में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शंखनाद

अयोध्या (एजेन्सी)। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद सोमवार को रामनगरी से हो गया है। आज से देश के पांच लाख गांव में अक्षत वितरण कर प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को ऐतिहासिक बनाने की अपील की जाएगी। दलित बस्ती से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय की अगुवाई में भव्य शोभा यात्रा निकालकर अक्षत वितरण अभियान की शुरुआत की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने घर–घर जाकर लोगों को पूजित अक्षत व पत्रक देकर 22 जनवरी को उत्सव मनाने की अपील की है। इस दौरान भगवान राम, लक्ष्मण सीता के स्वरूपों से सजी भव्य शोभायात्रा भी निकली गई। शोभा यात्रा का वाल्मीकि समाज के लोगों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा कर और भगवान के स्वरूपों की आरती उतार कर स्वागत भी किया। चंपत राय ने कहा कि आज से पूरे देश में अक्षत वितरण अभियान का शुभारंभ हो गया है। देश के 5 लाख गांव तक यह पूजित अक्षत पहुंचाया जाएगा। प 22 जनवरी को आनंद उत्सव मनाने की अपील की जाएगी। देश के पांच करोड़ परिवारों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जोड़ने की कोशिश होगी।

सम्पादकीय

छह देशों में चुनाव होंगे, डीपफेक की बारिश होगी

डीपफेक 2024 में बड़ी समस्या बनने वाला है। दरअसल डीपफेक तैयार करने के लिए जिस तकनीक की जरूरत पड़ती है, वह आज न सिर्फ पहले की तुलना में आसानी से उपलब्ध है, बल्कि कम लागत या कीमत में भी उपलब्ध है। इसके लिए जेनरेटिव एआई या कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जाता है। जेनरेटिव एआई के जरिये किसी भी शैली और किसी भी भाषा में ई–मेल लिखे जा सकते हैं। ऐसे में, इसकी कोई गारंटी नहीं कि सीएफओ की तरफ से आए ई–मेल वाकई उन्होंने ही लिखे हैं। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सिलिकॉन वैली के अनेक लोग बगैर विराम चिह्नों के पोस्ट लिख रहे हैं–यही एक तरीका है, जिससे पता चल सकता है कि इसमें एआई की मदद नहीं ली गई है। लिखित सामग्री को जांचने का खतरा तो है ही, लेकिन 2024 में असली खतरा आवाज और वीडियो से होगा। इलेवनलैब्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू–ब–हू आवाजों की क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जांचने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। मैंने अपनी आवाज की क्लोनिंग करा ली है, लिहाजा जो भी पाठ मैं चुनूंगा, वह मेरी ही आवाज में बोलेगा। लेकिन इसका भी एक खतरा है–गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज मेरे स्वर में न जाने क्या–क्या बक डालेगी। इस लिहाज से ऑडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को उसकी ही आवाज में सुने जाने पर भ्रम पैदा होगा। जो उसने नहीं कहा, वीडियो में उसे भी कहते देखा जाएगा। जो उसने नहीं किया, वीडियो में वह करते भी उसे देखा जाएगा। ऐसे में, जाहिर है, पसोपेश, असमंजस और भ्रम की स्थिति पैदा होगी। इससे कॉरपोरेट जासूसी और भयादोहन को बल मिलेगा। वर्ष 2024 में दुनिया की आधी से अधिक आबादी चुनावों में हिस्सा लेगी। अमेरिका के अलावा भारत, इंडोनेशिया, मेक्सिको, रूस और ब्रिटेन सहित कई देशों में चुनाव होंगे। मेरा मानना है कि इनमें से हर चुनाव में डीपफेक वीडियो बड़ी भूमिका निभाएंगे। मतदाताओं में व्याप्त भ्रम का असर चुनावी नतीजों पर भी पड़ सकता है। यूक्रेन और गाजा के मोर्चों पर डीपफेक वीडियोज पहले ही पहुंच चुके हैं, जिससे फैसले उन घटनाओं के आधार पर लिए जा रहे हैं, जो कभी घटी ही नहीं। चुनावी धोखाधड़ी, कॉरपोरेट ब्लैकमेलिंग, बाजारों को अपने हितों के अनुरूप चालित करने और डीपफेक के कारण साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे के मामले वर्ष 2024 में बढ़ेंगे। ऐसे में, यह चर्चा, चिंता और लड़ाई सतत बनी रहेगी कि कोई लिखित सामग्री, कोई तस्वीर, कोई ऑडियो क्लिप या कोई वीडियो असली है या फर्जी। ऐसे में, इसकी कोई गारंटी नहीं कि सीएफओ की तरफ से आए ई–मेल वाकई उन्होंने ही लिखे हैं। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सिलिकॉन वैली के अनेक लोग बगैर विराम चिह्नों के पोस्ट लिख रहे हैं–यही एक तरीका है, जिससे पता चल सकता है कि इसमें एआई की मदद नहीं ली गई है। लिखित सामग्री को जांचने का खतरा तो है ही, लेकिन 2024 में असली खतरा आवाज और वीडियो से होगा। इलेवनलैब्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू–ब–हू आवाजों की क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जांचने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। मैंने अपनी आवाज की क्लोनिंग करा ली है, लिहाजा जो भी पाठ मैं चुनूंगा, वह मेरी ही आवाज में बोलेगा। लेकिन इसका भी एक खतरा है–गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज मेरे स्वर में न जाने क्या–क्या बक डालेगी। इस लिहाज से ऑडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को उसकी ही आवाज में सुने जाने पर भ्रम पैदा होगा। जो उसने नहीं कहा, वीडियो में उसे भी कहते देखा जाएगा। जो उसने नहीं किया, वीडियो में वह करते भी उसे देखा जाएगा। ऐसे में, जाहिर है, पसोपेश, असमंजस और भ्रम की स्थिति पैदा होगी। इससे कॉरपोरेट जासूसी और भयादोहन को बल मिलेगा।

सीजन के सौदागर आते रहेंगे, समाधि की श्उसश स्थिति से बचना है मुश्किल

साधारण चीजों को जटिल बना देना आम बात है, जटिल को सरल बना देना कला है। वाइल्ड ने ही कहा है, हमारे तमाम आधुनिक कैलेंडर हमारी जिंदगी की खूबसूरत सादगी को भंग कर देते हैं – यह याद दिलाकर कि हर दिन जो गुजरता है, वो किसी बेहद बेस्वाद वाकये की 'एनीवर्सरी' है। जब साल जाने लगता है तो आप अचानक या तो भावुक हो उठते हैं या चिंतित। अलबत्ता लोगों में यह बताने का चलन है कि इस साल में जो न हुआ आते साल में होना तय है। कुछ लोग भय और आशंकाओं के मैन्यू तैयार करते हैं गोया यही भविष्य के रेस्टोरेंट में मिलने वाला है। कई तो उसमें से चुनाव भी कर लेते हैं कि कौन सी कम तकलीफदेह 'डिश' ज्यादा मुफीद होगी। मजा यह है कि रेस्टोरेंट भी उन्हीं का, शेफ भी वही और ग्राहक भी वही। यह अपने आप में बड़ी मुसीबत है कि आप समाधि की इस स्थिति में पहुंच जाएं – जहां आप ही बनाएं, आप ही खाएं, आप ही बिल चुकाएं और आप ही बजट के घाटे पर अर्थशास्त्रियों को ज्ञान भी दें। मगर लोग हैं कि हर बार इसी मुसीबत को मुहब्बत कर बैठते हैं। इसका फायदा 'सीजन के सौदागर' उठाते हैं। यह साल ऐसे सौदागरों की चांदी का साल था। आप जानते हैं – सीजन के सौदागर का कोई एक धंधा नहीं होता। जिस मौसम में जिसकी मांग होती है, वही चीज खड़ी कर देते हैं। कंस के दिनों में कंस की, कृष्ण के दिनों में कृष्ण की। यहां तक कि स्कूलों के वार्षिक उत्सव के दिनों में फैंसी ड्रेसों के किराए का धंधा भी चला लेते हैं। अगर कत्ल होने लगें तो वे चाकू बेचना पिछले साल जाते–जाते हमने दो शब्दों पर बात की थी, जो उस साल के सबसे ज्यादा प्रतीकात्मक शब्द बन गए थे – गैस लाइटिंग और मून लाइटिंग। पहले का अर्थ था कि किसी को गलत न होते हुए भी उसे गलत होने का अहसास दिला देने की चालाकी, और दूसरे का अर्थ था – पूरी तनख्वाह एक जगह लेकर गुपचुप दूसरी जगह से भी कमाई पीट लेना। दोनों में बेईमानी और बेईमानी की स्वाभाविक नैतिक जरूरत पर पर्याप्त कागज रंगे गए थे। अब बात कुछ आगे बढ़ गई है। इस साल ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने साल का शब्द घोषित किया है – रिज (र्त्)। ये करिज्मा (बिंतपेउं) या करिश्मा का संक्षिप्त रूप है। अहा! सीजन के सौदागर अति प्रसन्न हैं। यह परिस्थिति के अनुसार रिश्ते बना लेने का प्रतिज्ञाविहीन समय है जब आप अपने 'रिज' का इस्तेमाल किसी लूट के लिए कर लें और 'एआई' को प्रॉम्प्ट दे दें कि चलो अब एक नया चमत्कारिक धोखा खड़ा करते हैं। वेबस्टर डिक्शनरी में इसीलिए इस साल दो दूसरे शब्द 'ऑथेन्टिक' (प्रामाणिक) और 'डीप फेक' टॉप पर हैं। जब सबसे ज्यादा 'डीप फेक' यानी असली लोगों के झूठे वीडियो बनने लगें तभी हमें प्रामाणिकता की प्यास भी उतनी ही शिद्दत से सताने लगती है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमारी चिंताएं बढ़ चली हैं और प्रामाणिकता की पवित्रता को हम ज्यादा समर्पित होते चले जा रहे हैं। ध्यान से देखिए इस साल कुछ ज्यादा ही खास हुआ। पहले सीजन के सौदागर मांग के हिसाब से दुकान का माल बदल दिया करते थे। कत्ल का सीजन तो चाकू और शांत सीजन तो कबूतर। अब वे एक ही दुकान में दो काउंटर बना कर दोनों एक साथ बेचने लगे हैं। और तो और, पड़ोस में ही एक 'बहस–बार' भी चलाते हैं जहां पहले दोनों काउंटर के दोनों के जियाले एक–दूसरे के खिलाफ बोलते हैं। इस तरह से एक सीजन में तीन सीजन की कमाई खड़ी होती है और निरपेक्षता का डिविडेंड अलग से मिल जाता है। इंस्टाग्राम–यूट्यूब इकनॉमी में सच और झूठ दोनों कमाते हैं। देखने वाला भी, दिखाने वाला भी! दोनों एक ही कंपनी के राजा चलाते हैं, इसलिए लाभ एक ही जेब में जाता है। तभी तो आतंकी संगठन भी अपने नाम में 'पीस', 'पॉपुलर' और 'सर्वजन' जैसे शब्द डालते हैं या भले लोग अपनी भलाई के विज्ञापन के लिए सोशल मीडिया मैनेजरों की फौज पर कुर्बान हुए जाते हैं। इसीलिए संदीप वांगा ने जब अपनी कुख्यात फिल्म एनीमल के खिलाफ टिप्पणियां पढ़ीं तो कहा, 'ये दस–पंद्रह जोकर हैं जो मेरे काम को मर्दवादी, स्त्रीद्वेषी कह रहे हैं। अरे, मेरे प्रोडक्शन हाउस का नाम ही देखिए – 'भद्रकाली' है।' तो, दरअसल, ये साल एनीमल का साल है। इसके बॉक्स ऑफिस से पता चलता है कि इन दिनों समाज का सीजन कौनसा है? बॉक्स ऑफिस नैतिकता नहीं जानता, वह नोट गिनता है।

जिंदगी को अर्थ देने वाले हर शोर में आवाज नहीं होती

गुलाम अहमद

एनएमएसीसी समारोह के सोशल मीडिया पर देश में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले कार्यक्रम बनने से पहले फ्रांसीसी लक्जरी ब्रांड डायर ने मुंबई में ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर अपना ऑटम–विंटर कलेक्शन प्रस्तुत किया। इस दौरान मुंबई के चाणक्य स्कूल ऑफ क्राफ्ट का सम्मान भी किया गया, जो पिछले कई वर्षों से डायर ब्रांड के लिए कढ़ाई का काम कर रहा है। ब्रांड की कला निदेशक मारिया ग्राजिया चिउरी भारतीय शिल्प कौशल की तारीफ करते हुए और संस्थान के कारीगरों को धन्यवाद कहते हुए इसके योगदान को भी स्वीकार किया। साल बीतने के साथ भारतीय फैशन का आकार भी बढ़ता गया। अमेरिकी गायिका और रचनाकार बियॉन्से ने पूरी दुनिया के अपने दौरे में एक नहीं, बल्कि तीन बार गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए हुए परिधान पहने। गुप्ता द्वारा निर्मित जिन तीन पोशाकों को उन्होंने चुना, उसमें एक हल्के हरे रंग की साड़ी थी, जिसने काफी सुर्खियां भी बटोरी थीं।

बीते 18 दिसंबर को देश के मशहूर फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने दिल्ली में अपना पहला हाई ज्वेलरी शो पेश किया, जो बेहद भव्य था, जिसमें फैशन व लाइफस्टाइल क्षेत्र के देशभर के दिग्गज खास ड्रेस कोड के साथ शामिल हुए। शो में शामिल हर मॉडल ने इतने ज्यादा आभूषण पहने थे कि किसी एक आभूषण पर गौर करना नामुमकिन लग रहा था। यही रूपक इंगित करता है कि जब अति होती है, तो चीजें धुंधली दिखने लगती हैं। साल 2023 की इस रूपक से ज्यादा सटीक व्याख्या नहीं हो सकती, जो सही मायनों में अतियों का वर्ष रहा। दिखावटी शादियों से लेकर सामाजिक मुद्दों के बजाय खुद लोगों के आकर्षण का केंद्र बनने की चाह रखने वाले इंस्टाग्रामर, अत्यधिक यात्राएं, फैशन व फिल्मों का प्रमोशन, नए लॉन्च, बड़े डिस्काउंट और रेड कार्पेट वाली ड्रेसिंग, जो फैशन को दुस्साहस से जोड़ती है, यह सब कुछ 2023 में दिखा। ध्यान आकर्षित करने की वह तड़प भी दिखी, जिसने चीजों को बनाया कम, बिगाड़ा ज्यादा। बॉलीवुड सितारों को लेकर देश के लोगों का स्थायी जुनून चरम को छूता तब दिखा, जब सीमेंट से लेकर गाय का चारा, बीमा पॉलिसी, टायर, पान मसाला और सैनिटाइजर तक हर चीज फिल्म स्टारों द्वारा प्रचारित हो रही हों। सारा कॉन्टेंट फिल्मी शादियों से ही मिल रहा है, मानों सारे महत्वपूर्ण, वास्तविक और क्रांतिकारी विषय, जो प्रयोगों की सुई हिलाने की ताकत रखते थे, अपना अस्तित्व खो चुके हों। 2022 में हमने भौतिक और मनोवैज्ञानिक तौर पर महामारी की गंभीर निराशा से वापसी शुरू कर दी थी। लेकिन वर्तमान साल बाजार और दिमाग, दोनों अतियों के शिकार रहे। हालांकि, महामारी और उसके बाद जलवायु में बदलाव से बढ़ती दुविधाएं हमें सरल और सार्थक ढंग से और स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ जिंदगी बिताने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। 2023 ने इस उम्मीद को हवा जरूर दी है। अप्रैल महीने में मुंबई में एनएमएसीसी (नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर) के लॉन्च के मौके पर आयोजित भव्य समारोह में तमाम वैश्विक हस्तियों, फिल्मी सितारों, सीईओ, लक्जरी ब्रांड्स के बिजनेस प्रमुखों ने भारतीय परिधानों में शिरकत की। उल्लेखनीय है कि भारतीय फैशन अब स्थानीय प्रयोगों से ऊपर जा चुका है। बुनाई, कपड़े और कढ़ाई में यह बेशक भारतीय हो सकता है, लेकिन इसकी कल्पना अब वैश्विक ग्राहकों की पसंद–नापसंद के आधार पर की जा रही है। साल 2023 की शुरुआत कुछ भावनात्मक रही। कार्तिकी गोंसाल्वेस की एक ताजगी से भरी फिल्म द एलिफेंट व्हिसपरर्स को ऑस्कर के लिए चुना गया। ट्रॉफी स्वीकारते वक्त कार्तिकी ने राहुल मिश्रा द्वारा डिजाइन किए गए परिधान पहने थे, जिनमें जंगल की कढ़ाई की गई थी, जबकि उनके साथ मौजूद फिल्म की निर्माता गुनीत मोंगा ने हाथियों की आकृति वाली साड़ी पहनी हुई थी। एनएमएसीसी समारोह के सोशल मीडिया पर देश में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले कार्यक्रम बनने से पहले फ्रांसीसी लक्जरी ब्रांड डायर ने मुंबई में ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर अपना ऑटम–विंटर कलेक्शन प्रस्तुत किया। इस दौरान मुंबई के चाणक्य स्कूल ऑफ क्राफ्ट का सम्मान भी किया गया, जो पिछले कई वर्षों से डायर ब्रांड के लिए कढ़ाई का काम कर रहा है। ब्रांड की कला निदेशक मारिया ग्राजिया चिउरी भारतीय शिल्प कौशल की तारीफ करते हुए और संस्थान के कारीगरों को धन्यवाद कहते हुए इसके योगदान को भी स्वीकार किया। साल बीतने के साथ भारतीय फैशन का आकार भी बढ़ता गया। अमेरिकी गायिका और रचनाकार बियॉन्से ने पूरी दुनिया के अपने दौरे में एक नहीं, बल्कि तीन बार गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए हुए परिधान पहने। गुप्ता द्वारा निर्मित जिन तीन पोशाकों को उन्होंने चुना, उसमें एक हल्के हरे रंग की साड़ी थी, जिसने काफी सुर्खियां भी बटोरी थीं। गौरव गुप्ता ने अपने ब्रांड के लिए इस महान क्षण को स्वीकारते हुए कहा, श्मैं एक भारतीय हूं और मेरे सभी कपड़े भारत में बने हैं, लेकिन मेरी रचनात्मक अभिव्यक्ति उदार है, जो किसी धारणा से बंधी न होकर, वैश्विक है। मेरी अभिव्यक्ति मुझे किसी एक देश से बांध कर नहीं रखती।श फैशन की दुनिया में यह वाकई गर्व का क्षण था। फैब्रिक कला, फैशन व शिल्प किस तरह पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं, इस पर संवाद, आजादी की 75वीं सालगिरह पर भारत के विचार (आइडिया ऑफ इंडिया) को जाहिर करने वाले परिधानों की श्सूत्र–संततिश जैसी प्रदर्शनियां, रिसाइक्लिंग और सर्कुलर डिजाइन तेजी से नोटिस में आ रही हैं। लेकिन इन विचारों के समानांतर एक अलग किस्म का फर्जीवाड़ा भी दिख रहा है। हर दूसरा ब्रांड संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों द्वारा निर्धारित पैमानों पर ध्यान दिए बगैर स्थायित्वपूर्ण विकास की बात करता है। दिलचस्प बात यह है कि जो डिजाइनर या ब्रांड फिल्मी सितारों को कपड़े पहनाने में असमर्थ रहते हैं, वे पर्यावरण की चिंता करते दिखने लगते हैं। लेकिन, अगर आप भारतीय शिल्प के सच्चे प्रशंसक हैं, तो आपको समझना चाहिए कि ग्रीन के नाम पर बेची जाने वाली हर चीज सतत विकास के विचार के अनुरूप नहीं होती। अपनी जिंदगी को अर्थ देने में जितना ज्यादा हम फिल्मी सितारों पर निर्भर होंगे, उतना ज्यादा हम वास्तविक उद्देश्यों से भटकते जाएंगे। सड़क सुरक्षा से लेकर नारीवाद और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर मानव अधिकार तक सभी मुद्दे मशहूर हस्तियों ने हथिया लिए हैं। इसके अलावा, यह भी समझना होगा कि भारत में निर्मित हर चीज वैश्विक मंच पर सराहना की पात्र बने, यह जरूरी नहीं। हर शोर में आवाज नहीं होती। (आवाज तो लक्ष्य को भेदती है, शोर सिर्फ ध्यान आकर्षित करता है) उम्मीद है कि 2024 हमें ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी द्वारा 2023 के लिए चुने गए शब्द ।नजीमदजपब (ऑथेन्टिक ध्प्रामाणिक) और मेरियम वेबस्टर डिक्शनरी द्वारा चुने गए वर्ष के शब्द त्प्र (रिज ध्चमत्कार की क्षमता) के बीच फर्क को समझाएगा और यह भी कि दोनों को मिलाए बगैर अलग–अलग रहकर भी महत्व दिया जा सकता है। यह मेरी निजी सोच हो सकती है, लेकिन गुजरे जमाने की अभिनेत्री जीनत अमान द्वारा, जो सत्तर के दशक की जेनी बेबी थीं, 2023 में एक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिये अपनी पुरानी प्रसिद्धि को नई जिंदगी देने की कोशिश करना, मेरे लिए निश्चित तौर पर साल की महत्वपूर्ण खबरों में से था। बाल सफेद हुए तो क्या, वह फिर भी गरिमापूर्ण और इस जमाने की दिखती हैं। अतीत के ग्लैमर से दूर उनका मुक्त, उत्साहित और यथार्थवादी अवतार हमें सिखाता है कि कैसे अपने आहार, कपड़ों और वजन पर ध्यान देकर हरदम परफेक्ट दिखा जा सकता है। जिस दूसरी सेलिब्रिटी ने मेरा ध्यान खींचा, वह है करीना कपूर खान। दो बच्चों की मां और कभी साइज जीरो वाली नायिका अपने शरीर और अपने काम को लेकर सबसे ज्यादा सहज रहने वालों में से हैं। उन्होंने एक रिपोर्टर से कहा, श्मुझे पिज्जा और वाइन पसंद है और मुझे चेहरे और पेट की झुर्रियों से फर्क नहीं पड़ता।श उनका अंदाज बताता है कि दूसरे क्या सोचते हैं, इसकी उन्हें तनिक भी परवाह नहीं। कोई आश्चर्य नहीं कि डिजायनर, अभिनेता और सौंदर्य उद्यमी मसाबा ने अपने ब्राइड अभियान के प्रचार के लिए करीना को चुना। मसाबा ने मुझे इसकी वजह यह बताई कि बेबो यानी करीना बेहद मस्तमौला है और यही उनकी खासियत है। एनएमएसीसी समारोह के सोशल मीडिया पर देश में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले कार्यक्रम बनने से पहले फ्रांसीसी लक्जरी ब्रांड डायर ने मुंबई में ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर अपना ऑटम–विंटर कलेक्शन प्रस्तुत किया। इस दौरान मुंबई के चाणक्य स्कूल ऑफ क्राफ्ट का सम्मान भी किया गया, जो पिछले कई वर्षों से डायर ब्रांड के लिए कढ़ाई का काम कर रहा है। ब्रांड की कला निदेशक मारिया ग्राजिया चिउरी भारतीय शिल्प कौशल की तारीफ करते हुए और संस्थान के कारीगरों को धन्यवाद कहते हुए इसके योगदान को भी स्वीकार किया।

साल बीतने के साथ भारतीय फैशन का आकार भी बढ़ता गया। अमेरिकी गायिका और रचनाकार बियॉन्से ने पूरी दुनिया के अपने दौरे में एक नहीं, बल्कि तीन बार गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए हुए परिधान पहने।

विनाश और विकास के दावों पर फिर एक भिड़ंत

पारिस्थितिकीविदों, भू–विज्ञानियों, पर्यावरण विज्ञानियों, समाज विज्ञानियों और अर्थशास्त्रियों के साझा अध्ययन और विमर्श से यह रिपोर्ट अंतर अनुशासनीय शोध का अनुपम उदाहरण बन पड़ी है। इसमें बंदरगाह निर्माण से पूर्व के और बंदरगाह निर्माण के दौरान की तस्वीरें तो दी ही गई हैं, इसमें उस क्षेत्र के सभी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन भी किया गया है। अद्यतन फील्ड रिसर्च, इंटरव्यू, सर्वे और जन संवाद के जरिये इस विश्लेषण को और भी समृद्ध किया गया है। इस रिपोर्ट का शीर्षक हैरू आवर बीचेस, आवर सीरू हेरिटेज ऑफ फिशिंग कम्युनिटीज, युजुफ्रक्ट ऑफ ऑल सिटिजन्सरू पैक्ट ऑफ द विझिंजाम इंटरनेशनल सीपोर्ट ऑन द बीचेस, कोस्टल सी, बायोडाइवर्सिटी ऐंड द लिवलीहुड्स ऑफ द फिशिंग कम्युनिटीज इन तिरूवनंतपुरम डिस्ट्रिक्ट।

रामचंद्र गुहा

जितने भी भारतीय राज्यों को मैं जानता हूं, उनमें केरल में नागरिक समाज संगठन सबसे अधिक सक्रिय हैं, जो सरकारों और राजनीतिक पार्टियों के हस्तक्षेप से परे स्वतंत्र रूप से फलते–फूलते हैं। ये समूह विज्ञान, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण जैसे अनेक क्षेत्रों में काम करते हैं। इन समूहों द्वारा किए जाने वाले कामकाज कई बार विद्वानों और वैज्ञानिकों की भागीदारी से बेहतर हो जाते हैं। अकादमिक विद्वानों और लोगों के विविध समूहों के बीच संवाद केरल में जितना जुड़ाव भरा और रचनात्मक है, उतना देश के किसी और राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षों में मैंने कम से कम दो दर्जन बार केरल का दौरा किया है, और हर बार विभिन्न मुद्दों पर केंद्रित सार्वजनिक आयोजनों में मुझे वहां की सिविल सोसाइटी की शक्ति और गतिशीलता का एहसास हुआ। आखिरी बार मैं वहां पिछले महीने जनकीय समर समिति के आमंत्रण पर गया था। यह राज्य के दक्षिणी हिस्से के मछुआरों के हितों का संगठन है। यह समिति पिछले कई साल से विझिंजाम में निर्माणाधीन एक विशाल बंदरगाह का विरोध कर रही है। राज्य सरकार का दावा है कि यह बंदरगाह 'भारत का सिंगापुर' साबित होगी, जिससे राज्य में समृद्धि आएगी। स्थानीय लोगों को अलबत्ता सरकार के इस दावे पर भरोसा नहीं है, और इसे वे विनाशकारी विकास के तौर पर देखते हैं। इस बंदरगाह परियोजना को विस्तार से समझने के लिए समिति ने विद्वानों के एक समूह का गठन किया, ताकि इसके असर का अध्ययन किया जा सके। पारिस्थितिकीविदों, भू–विज्ञानियों, पर्यावरण विज्ञानियों, समाज विज्ञानियों और अर्थशास्त्रियों के साझा अध्ययन और विमर्श से यह रिपोर्ट अंतर अनुशासनीय शोध का अनुपम उदाहरण बन पड़ी है। इसमें बंदरगाह निर्माण से पूर्व के और बंदरगाह निर्माण के दौरान की तस्वीरें तो दी ही गई हैं, इसमें उस क्षेत्र के सभी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन भी किया गया है। अद्यतन फील्ड रिसर्च, इंटरव्यू, सर्वे और जन संवाद के जरिये इस विश्लेषण को और भी समृद्ध किया गया है। इस रिपोर्ट का शीर्षक हैरू आवर बीचेस, आवर सीरू हेरिटेज ऑफ फिशिंग कम्युनिटीज, युजुफ्रक्ट ऑफ ऑल सिटिजन्सरू पैक्ट ऑफ द विझिंजाम इंटरनेशनल सीपोर्ट ऑन द बीचेस, कोस्टल सी, बायोडाइवर्सिटी ऐंड द लिवलीहुड्स ऑफ द फिशिंग कम्युनिटीज इन तिरूवनंतपुरम डिस्ट्रिक्ट। इस देश के कुछ ही विश्वविद्यालय इतने परिश्रमपूर्वक इतनी समृद्ध रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम हैं, सरकारी विभागों से तो खैर इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस रिपोर्ट से जुड़े आंकड़े और विश्लेषण विस्तार से बताते हैं कि विझिंगाम बंदरगाह केरल के लोगों का लाभ की तुलना में नुकसान अधिक करेगा। बंदरगाह के निर्माण का काम शुरू होने से पहले विझिंजाम केरल में मछुआरों का सबसे बड़ा और सबसे महत्वपूर्ण गांव था। इस गांव में मछुआरों के करीब 4,500 परिवार रहते थे और हजारों नावें थीं। मानसून के दौरान यह दूसरे गांवों के मछुआरों के लिए सुरक्षित बंदरगाह था। लेकिन, रिपोर्ट खुलासा करती है कि विझिंजाम अंतरराष्ट्रीय सी–पोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) के प्रमोटरों ने पर्यावरण संबधी मंजूरी पाने के लिए किस तरह जानकारियों में हेरफेर किया और उन्हें गलत ढंग से प्रस्तुत भी किया। कंपनी की पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट ने जैव विविधता पर परियोजना के प्रभाव, मछुआरों की आजीविका के नुकसान, पर्यटन पर पड़ने वाले नकारात्मक असर और परियोजना की वजह से होने वाले समुद्र तट के क्षरण को कम कर के आंका और समुद्र तटों के सौंदर्य के मूल्य की पूरी तरह से उपेक्षा की, बंदरगाह के बनने के बाद जिस पर पूरी तरह से खत्म हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट बेहद सावधानी से यह बताती है कि प्रस्तावित परियोजना में, अदाणी समूह जिसका प्रमोटर है, चार श्रेणियों में गंभीर त्रुटियां हैं। अर्थशास्त्रीय ढंग से देखें, तो परियोजना में विलंब, लागत में बढ़ोतरी, भविष्य के लाभों को लेकर संशय दिखता है, वहीं, समाजशास्त्र के नजरिये से यह परियोजना मछुआरों के विस्थापन, अमीर और श्रमिक वर्ग के बीच अंतराल को बढ़ाने वाली साबित होगी। इसके अलावा, परियोजना से तटीय गांवों की महिलाओं पर बोझ बढ़ेगा, जिससे उन्हें जीवन यापन के लिए किसी दूसरी जगह जाकर घरेलू नौकर भी बनना पड़ सकता है। तटीय पारिस्थितिकी स्वाभाविक ही नाजुक होती है। ऐसे में, बड़ी परियोजनाएं बड़े नुकसान की वजह बन सकती हैं। चक्रवात जैसी अप्रत्याशित मौसमी घटनाओं का कहर भी बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के अनुसार मछली पकड़ने, तटीय संरक्षण, पर्यटन, पानी की गुणवत्ता, संस्कृति व सौंदर्य के मूल्यों इत्यादि की हानि से पारिस्थितकीय तंत्र से जुड़ी सेवाओं का प्रति वर्ष होने वाला नुकसान कुल मिलाकर रुपये 2,027 करोड़ का होना अनुमानित है। यह आंकड़ा केरल के लिए इस परियोजना को अव्यवहार्य बनाता है। दूसरी ओर इस परियोजना को लेकर राजनीतिक रवैया पूरी तरह से गैर– पारदर्शी और अलोकतांत्रिक रहा, जिसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार और केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाली और वामपंथी सरकारें इसके लिए जिम्मेदार रही रिपोर्ट से जाहिर होता है कि आर्थिक व्यवहार्यता, सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के नजरिये से भी अदानी द्वारा प्रायोजित वीआईएसएल परियोजना केरल और भारत के नागरिकों के लिए नुकसानदेह है। इसके अलावा, पहले ही देश के 13 बंदरगाहों और आठ हवाई अड्डों को नियंत्रित कर रहे अदाणी समूह को, जो एक निजी फर्म है, भारत के भीतर और देश व शेष दुनिया के बीच मानवीय, वाणिज्यिक और वाहन यातायात के क्षेत्र में निर्णायक अधिकार देना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी खतरनाक हो सकता है। रिपोर्ट का यह कहना महत्वपूर्ण है कि इस परियोजना से जिन्हें नुकसान पहुंचेगा, वे तटीय क्षेत्रों में गहरी जड़े जमा चुके वे समुदाय हैं, जो पीढ़ियों से समुद्र के संरक्षक रहे हैं। यह रिपोर्ट केवल सरकार की आलोचना नहीं करती, बल्कि रचनात्मक सुझाव भी देती है। यह विकास के विरुद्ध नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को कम करने के पक्ष में एक सशक्त दलील भी है। यह रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध है और लोकतंत्र में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को यह रिपोर्ट पढ़नी चाहिए, जो निजी कंपनियों और उन्हें समर्थन देने वाली राजनीतिक इकाइयों के दावों से सतर्क रहने के लिए जरूरी भी है। पारिस्थितिकीविदों, भू–विज्ञानियों, पर्यावरण विज्ञानियों, समाज विज्ञानियों और अर्थशास्त्रियों के साझा अध्ययन और विमर्श से यह रिपोर्ट अंतर अनुशासनीय शोध का अनुपम उदाहरण बन पड़ी है। इसमें बंदरगाह निर्माण से पूर्व के और बंदरगाह निर्माण के दौरान की तस्वीरें तो दी ही गई हैं, इसमें उस क्षेत्र के सभी पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन भी किया गया है।

दिलीप गुप्ता- कैमरे के पीछे

इसमें शक नहीं कि वैजयन्ती माला बहुत खूबसूरत हैं। चाहे वह 'देवदास', 'नया दौर', 'संगम' हो अथवा 'गंगा जमुना' या उनकी कोई अन्य फिल्म हो, वे बहुत खूबसूरत लगती हैं। मगर 'मधुमति' में उनका टटका रूप और उस फिल्म की फोटोग्राफी उनके सौंदर्य को एक नई ऊंचाई देती है। यहां उनका कोहरे से निकलता, पेड़ों में लुकता–छिपता रूप हीरो और दर्शक की उत्सुकता जगाता है। वे सुंदर हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है मगर इस सौंदर्य को और निखार कर परदे पर लाने का श्रेय जिस व्यक्ति को जाता है, उससे बहुत कम लोग परिचित हैं। कैमरामैन पर बहुत कम बात होती है। हिन्दी फिल्मों के शुरुआती दौर के इस फोटोग्राफर का जन्म कलकत्ता (आज के कोलकाता) के एक जमींदार परिवार में 4 सितंबर 1911 को हुआ था। पूरा नाम था दिलीप कुमार दत्ता गुप्ता। दिलीप गुप्ता जब मात्र छरू वर्ष के थे, पिता का साया उनके सिर से उठ गया, मां ने पालन–पोषण किया। दिलीप गुप्ता का पढ़ने में बहुत मन नहीं लगता था। शैलेंद्र गुप्ता और ज्योत्सना देवी के इस पुत्र ने मुख्यरूप से हिन्दी सिनेमा के लिए काम किया। उन्होंने बांग्ला और मराठी फिल्मों की फोटोग्राफी भी की। उन दिनों सिनेमाटोग्राफर को फोटोग्राफर कहा जाता था।

उन्होंने बिमल राय के अलावा फणि मजुमदार, पी. सी. बरुआ, चिमनलाल त्रिवेदी, नितिन बोस, नासिर हुसैन, एम भवनानी, प्रह्लाद केशव अत्रे, सुधीर सेन तथा द्वारका खोसला की फिल्म की सिनेमाटोग्राफी की। सबसे अच्छी ट्यूनिंग फिल्म निर्देशक बिमल राय के साथ थी। बिमल राय के साथ उन्होंने 'बिराज बहु', 'प्रेम पत्र', 'मधुमति', 'बेनजीर' और 'दो दूनी चार' में काम किया। निर्देशक बिमल राय और फोटोग्राफर दिलीप गुप्ता दोनों 'मधुमति' को अपनी श्रेष्ठ फिल्म स्वीकारते हैं। दोनों ने मिल कर इस श्वेत–श्याम फिल्म में परदे पर सौंदर्य को मूर्तिमान कर दिया है। 18 वर्ष की अवस्था में पढ़ाई छोड़ कर नितिन बोस के सहायक के रूप में 'धूप छाया' तथा 'प्रेसीडेंट' में काम किया। पी. सी. बरुआ की 'देवदास' फिल्म को फिल्माने में कैमरामैन बिमल राय के सहायक का पद संभाला था। उन दिनों तक भारत में बार्न डोर्स (प्रकाश संशोधक) या कटर का प्रयोग नहीं होता था। सेट्स लाइट से भरे रहते थे। अतरू वे 1932 में प्रशिक्षण के लिए अमेरिका गए। लौट कर दिलीप गुप्ता ने प्रकाश और छाया के अद्भुत प्रयोग किए। इसे अभिव्यक्ति के एक माध्यम के रूप में प्रयोग किया। लाइटिंग की इंडोर और आउटडोर टोन की समानता पर ध्यान दिया। वे स्टूडियो में रात फिल्माने के लिए नीले फिल्टर का उपयोग करते। वेत–श्याम में आयाम प्रकट करने की चुनौती स्वीकारी और श्वेत–श्याम में करिश्मा कर दिखाया। त्वचा के टोन की एकसारता के लिए कैमरे पर हरे फिल्टर का प्रयोग करते। कभी भी अपनी फिल्मों को ओवर–डेवलेप या अंडर–डेवलप नहीं किया। उनके नेगेटिव सदैव स्वाभाविक रूप से डेवलप किए जाते थे। पूरे देश के लिए एक–सा प्रिंट बनाने पर वे जोर देते। डिफ्यूज प्रभाव के लिए वे सॉफ्ट रिफ्लेक्टर का उपयोग करते। 'मधुमति' में आउटडोर और इनडोर (जिसे आउटडोर दिखाया गया है) का अच्छा मिश्रण हुआ है, बताना मुश्किल है, कौन आउटडोर है, कौन स्टूडियो में फिल्माया गया सीन है। आश्चर्य नहीं इस फिल्म ने नौ फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते। उस साल फिल्मफेयर का नव–स्थापित फोटोग्राफर पुरस्कार दिलीप गुप्ता को मिला। 'मधुमति' में उन्होंने रहस्य और सौंदर्य का अनोखा तालमेल बैठाया है। तूफान, बारिश, बिजली की कड़क, बादलों की गड़गड़ाहट को फिल्माने में वे माहिर थे। 'मधुमति' का क्लाइमेक्स सीन झाड़–फानुस के साथ है। अभिनेता दिलीप कुमार हवेली में प्राण का चित्र बना रहे हैं। तेज हवा चल रही है, परदे उड़ रहे हैं। बिजली कड़क रही है। दिलीप कुमार बातों से प्राण के मन में भय उत्पन्न कर रहे हैं। वे पेंटिंग देखने के लिए प्राण को बुलाते हैं, झाड़–फानुस नीचे करते हैं, ताकि चित्र पर रोशनी पड़ सके। मगर चित्र पर खून है। अपने चित्र पर खून देख कर प्राण दहशत से भर जाता है। इसके बाद झाड़–फानुस पैन्डुलम की तरह हिलने लगता है। हिरोइन, जिसे प्राण मरी हुई मानता था, वहां आती है। ज्यों ही प्राण उस पर गोली चलाना चाहता है, झाड़–फानुस टूट कर नीचे गिर पड़ता है, चूर–चूर हो जाता है और धुप्प अंधेरा हो जाता है। दर्शक रोमांच से भर जाता है। लाइटिंग और साउंड से सृजित इस सीन के लिए दिलीप गुप्ता को काफी मेहनत करनी पड़ी। बिजली कड़कने पर अचानक खिड़की चमक उठती है, हिलते परदे पर प्रकाश परिवर्तित होता जाता है।

कृष्ण का हाथ कौन पकड़ सकता है पूरे लोक के लोगों का हाथ तो कृष्ण ने पकड़ रखा है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भागवत कथा के छठे दिन आचार्य उमेश मिश्रा जी ने भगवान कृष्ण नंद गोपाल के वृंदावन मे बिताए हुए दिन के अंतिम क्षढों मे नन्द गोपाल से द्वारिकाधीश् बनने से पहले यशोदा मैय्या से उनके हाथ से अंतिम बार माखन खाया और विदा लिया, राधा नंद गोपाल को लगातार उपर लगे मोरपंख से हाथ मे लिए उनकी सबसे प्रिय बाँसुरी तक निहारें जा रही थी, लीला करने वाले भगवान कृष्ण ने राधा को अपनी सबसे प्रिय बाँसुरी देकर विदा लिया। कृष्ण के द्वारिका जाते समय नन्द बाबा ने बलदाऊ से बोला कृष्ण का हाथ पकड़ कर ले जाना क्योंकि तुम बड़े भाई हो कृष्ण का ध्यान रखना। तब बलदाऊ बोले बाबा कृष्ण का हाथ कौन पकड़ सकता है पूरे लोक के लोगों का हाथ तो कृष्ण ने पकड़ रखा है और सभी का वो ध्यान रखते हैं। ईश्वर को आपसे कुछ नही चाहिए क्योंकि वो तो सभी को देने वाले हैं, ईश्वर तो सिर्फ प्यार के भूखे हैं।

ब्लॉसम केयर क्लासेज में मनाया गया वार्षिकोत्सव

पत्रकार मनीष श्री वास्तव

जौनपुर। नगर के लाइन बाजार स्थित ब्लॉसम केयर क्लासेज में रविवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया, जहां बच्चों ने लुडो, शतरंज, कैरम, सामान्य ज्ञान, राइटिंग और ड्राइंग प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अंशिका खरे, खुशी सिंह, तनु गोंड, निधि भास्कर, आराध्या, चित्रांशी ने नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। निर्देशक शक्ति श्रीवास्तव और मैनेजर पवन श्रीवास्तव ने बच्चों को अच्छे पढ़ाई और खेल के लिए सम्मानित भी किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रतीक्षा श्रीवास्तव द्वारा विद्यालय के बच्चों को बधाई भी दिया गया। अंत में शक्ति श्रीवास्तव और पवन श्रीवास्तव ने बच्चों को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस नए वर्ष में और भी ऊंचाइयों पर जाए।

मिले पगचिह्न, लखनऊ की ओर बढ़ा तेंदुआ

बाराबंकी (संवाददाता)। करीब पांच दिन पहले दिखा तेंदुआ लखनऊ की सीमा की ओर बढ़ रहा है। त्रिवेदीगंज के भितरी में युवक को घायल करने के बाद कांबिंग के दौरान मिले पगचिह्न से तेंदुआ की मौजूदगी की पुष्टि हो रही है। इसको लेकर गोमती किनारे बसे गावों के लोगों में दहशत है। वन विभाग की टीम ने भितरी गांव में मिले पगचिह्नों के सहारे गांव धौरहरा, मोहम्मदपुर, लोनी नाला से गोमती किनारे तक ग्रामीणों के साथ कांबिंग की। उप वन अधिकारी अजय कुमार पांडेय कैंप कर टीम को दिशा निर्देश देते दिखाई दिए। पगचिह्नों के आधार पर तेंदुआ के ही होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बीते बुधवार को तेंदुआ ने लोधेसिंह पुरवा के पास बकरी को दबोचा था, लेकिन ग्रामीणों व वन कर्मियों के पहुंचने पर एक्सप्रेस की पानी निकासी पाइप से होकर तेंदुआ दूसरी ओर भाग निकला।

भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय संघटक हृदयनाथ सिंह 92 वर्ष की आयु में निधन

१-राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव हरिवंश सिंह ,प्रान्त प्रचारक प्रमुख राम चंदर जी सह जिला प्रचारक सूरज जी सुइथा खंड करवा राम सागर जी खंड बौद्धिक प्रमुख राकेश जी, हनुमान सिंह, ओम प्रकाश जयसवाल सहित दर्जनों नेताओं मंत्री ने उनके आवास में पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरपतहा थाना क्षेत्र के अमावां खुर्द गांव निवासी भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय संघटक हृदयनाथ सिंह का 92 वर्ष की आयु में सोमवार देर रात लखनऊ स्थित लोहिया हॉस्पिटल में निधन हो गया। मंगलवार सुबह जैसे ही क्षेत्र में उनके निधन की खबर आई शोक की लहर दौड़ गई। उनके पैतृक आवास पर शोक संवेदना जताने वालों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।

श्री सिंह मूल रूप से जौनपुर के सुइथाकलां विकासखंड के अमावां खुर्द गांव के निवासी थे। कल रात दिल्ली से वापस लौटते समय वे लखनऊ में रुके थे जहां रात में उनकी तबीयत अचानक खराब हुई और अस्पताल में उनका निधन हो गया।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद वे प्रचारक के रूप में संघ से जुड़ गए और तत्कालीन फैजाबाद जिले की अकबरपुर तहसील से तहसील प्रचारक के रूप में कार्य शुरू कर जिला व विभाग प्रचारक तक पहुंचे। बाद में उन्हें भाजपा में भेजा गया। जहां उन्होंने संगठन मंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश के चारों प्रांतों में कार्य किया। इसके बाद बिहार, बंगाल, झारखंड आदि प्रदेशों में क्षेत्रीय संगठन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय सह–संगठन मंत्री पद तक पहुंचे। वर्तमान में वे भाजपा के राष्ट्रीय संघटक किसान मोर्चा के रूप में कार्यरत थे तथा दिल्ली में निवास करते थे। संघ के वरिष्ठतम एवं श्प्रभावशालीश प्रचारकों में से एक श्हृदय जीश रहे। 80 के दशक में अयोध्या के विभाग प्रचारक रहने के दौरान मंदिर आंदोलन की नींव तैयार करने वालों में भी ये शामिल थे। क्षेत्रीय प्रचारक व राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के संगठन मंत्री के तौर पर दायित्व निर्वहन कर चुके थे।

श्री सिंह के परिवार में पुत्र अजित प्रताप सिंह, पुत्री कुसुम तथा उनकी पत्नी गुनराजी देवी हैं। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे दूसरे नंबर के भाई शोभनाथ सिंह का तीन वर्ष पहले स्वर्गवास हो चुका है। तीसरे नंबर के भाई रामनाथ सिंह का परिवार गांव में ही रहता है।इनका अन्तिम संस्कार इमिलिया घाट किया गया।मुखाग्नि इनके बड़े बेटे अजीत सिंह जी ने दिया।

इनके निधन की खबर सुनते ही मौके राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव प्रान्त प्रचारक प्रमुख राम चंदर जी सह जिला प्रचारक सूरज जी सुइथा खंड करवा राम सागर जी खंड बौद्धिक प्रमुख राकेश जी, हनुमान सिंह, पूर्व मंत्री हरिवंश सिंह,बीजेपी नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

34 वी वाहिनी पीएसी वाराणसी सेनानायक व माघ मेला एसएसपी डॉ राजीव नारायण मिश्र बनें डीआईजी

पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज ने बैज लगाकर दी बधाई

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

नव वर्ष के अवसर पर डॉ राजीव नारायण मिश्र वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक माघ मेला34 वाहिनी पीएसी वाराणसी को शासन ने पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नति प्रदान की है।इस अवसर पर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज रमित शर्मा के ने बैज लगाकर पुलिस उपमहानिरीक्षक पद पर प्रोन्नत होने की बधाई दी गई। बताते चलें कि डॉक्टर मिश्र 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं जिनको राम जन्मभूमि अयोध्या में आतंकवादी हमला विफल करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण राष्ट्रपति के द्वारा वीरता का पुरस्कार प्रदान किया गया है।डॉ मिश्र को इसके अतिरिक्त सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक व अन्य अलंकरण (पदक)भी प्राप्त हुए हैं।इससे पहले डॉ मिश्र पूर्व में एसपी एसटीएफ, एसपी कुशीनगर,एसपी मिर्जापुर, एसपी ट्रैफिक नोएडा, एसपी एटीएस, वह अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त रह चुके हैं।कोरोना आपदा में भीड़ प्रबंधन मे दक्षता प्राप्त करने के कारण उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा डॉ मिश्र को लगातार चौथी बार माघ मेला प्रभारी की जिम्मेदारी प्रदान की है।

नव वर्ष में पूर्व विधायक बब्बू ने जरूतमंदों को कंबल वितरित किया

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)पूर्व विधायक आसिफ खाँ बब्बू द्वारा नव वर्ष का आगाज गरीबों असहायों के बीच कंबल वितरण कर किया गया।ऐसे समय में जबकि हाड़ कंपा देने वाली सर्दी का प्रकोप चरम पर है सूर्य देवता बादलों की ओट में हैं ठिठुरते गरीब बुजुर्गों और बेसहारा महिलाओं को सर्दी के सितम से बड़ी मुश्किल हो रही है।ऐसे में पूर्व विधायक बब्बू ने अपने आवास पर कंबल वितरण का नेक काम किया और गरीबो की दुआएं ली।हर बर्ष की भांति इस बर्ष भी पूर्व विधायक द्वारा सैकड़ो की संख्या में आये जरूरतमंदो को अपने हाथ से कम्बल देकर उनकी परेशानी को कम करने का प्रयास किया गया।उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उन्हें वो मुकाम दिया है कि वे जरूरतमंदों की अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कर सके।और गरीबो की परेशानी को समझने से बड़ा कोई पुनीत कार्य नही है।उन्होंने सभी से अपने घर और आसपास के बुजुर्गों का इस कड़ाके की सर्दी में ख्याल रखने की सलाह भी दी।और सक्षम लोगो से जरूरतमंदों की सेवा की अपील की।कम्बल वितरण की सूचना पाकर कम्बल लेने वालों की पूर्व विधायक के आवास पर लंबी लाइन लग गई।असहाय लोगो ने कम्बल पाकर पूर्व विधायक को आशीर्वाद दिया।

उद्धव-राउत पर बरसे मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास,कहा- सिर्फ राम भक्त्तों को दिया गया है निमंत्रण

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले निमंत्रण को लेकर जारी विवाद थम नहीं रहा है। इस विवाद में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास भी खुलकर सामने आ गए हैं। सत्येंद्र दास ने कहा कि 22 जनवरी को मंदिर के भव्य अभिषेक के लिए निमंत्रण सिर्फ उन लोगों को ही दिया गया है, जो भगवान राम के भक्त हैं।शिवसेना मुखिया उद्धव ठाकरे की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए निमंत्रण नहीं मिला है।आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि निमंत्रण सिर्फ उन लोगों को दिया गया है, जो भगवान राम के भक्त हैं। यह कहना बिल्कुल गलत है कि भाजपा भगवान राम के नाम पर लड़ रही है। हमारे प्रधानमंत्री का हर जगह सम्मान किया जाता है और उन्होंने अपने कार्यकाल में बहुत सारे काम किए हैं। यह राजनीति नहीं है, यह उनकी भक्ति है।आचार्य सत्येंद्र दास ने शिवसेना नेता संजय राउत की उस टिप्पणी पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब केवल एक ही चीज बची है। भाजपा भगवान राम को अपना उम्मीदवार घोषित करे।आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि संजय राउत को इतना दर्द है कि वो उसे बयां भी नहीं कर सकते, ये वही लोग हैं जो भगवान राम के नाम पर चुनाव लड़ते थे। जो लोग भगवान राम को मानते हैं, वे सत्ता में हैं, वह क्या बकवास कर रहे हैं, वह भगवान राम का अपमान कर रहे हैं। इससे पहले संजय राउत ने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के प्रचार के बीच भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा था कि वह अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले भगवान राम के नाम पर वोट मांगेगी।संजय राउत ने कहा कि पीएमओ और सरकार को अपना आधार अयोध्या स्थानांतरित कर लेना चाहिए। वे केवल राम के नाम पर वोट मांगेंगे, क्योंकि उन्होंने और कुछ नहीं किया है।संजय राउत ने कहा कि शिवसेना के सदस्यों ने राम मंदिर आंदोलन में अपना खून और परिश्रम लगाया। बाला साहेब ठाकरे और हजारों शिवसैनिकों ने इसमें योगदान दिया। हम भी राम के भक्त हैं, दरअसल हम राम के सबसे बड़े भक्त हैं और हमारी पार्टी ने राम मंदिर के लिए बहुत त्याग किया है।दरअसल उद्धव ठाकरे ने रविवार को दावा किया था कि उन्हें अब तक निमंत्रण नहीं मिला है।उद्धव ने निमंत्रण में कथित चूक को लेकर भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। मंदिर के उद्घाटन समारोह को राजनीतिक कार्यक्रम में तब्दील नहीं किया जाना चाहिए या इसे किसी एक पार्टी के इर्द–गिर्द नहीं घूमना चाहिए।हालांकि उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर को लेकर अपने पिता बाल ठाकरे के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि वह राम मंदिर के उद्घाटन से बहुत खुश हैं।

बता दें कि रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर सात दिनों तक चलेगा। अंतिम दिन 22 जनवरी को सुबह की पूजा के बाद दोपहर में मृगशिरा नक्षत्र में रामलला अपने महल में विराजमान होंगे।

हिट एंड रन कानून में ज्यादा सजा-जुर्माने का विरोध में देशभर में करीब आधे ट्रकों के पहिए चुके थम

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) हिट एंड रन कानून में ज्यादा सजा–जुर्माने का विरोध में देशभर में करीब आधे ट्रकों के पहिए थम चुके हैं। विरोध में शामिल होने वाले ड्राइवरों की संख्या धीरे बढ़ती जा रही है, ड्राइवर रोड पर ट्रक छोड़कर जा रहे हैं।उत्ध्तर प्रदेश,मध्ध्य प्रदेश, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, पंजाब और उत्तराखंड में आज हालात बिगड़ सकते हैं. आल इंडिया मोटर ट्रांसपार्ट कांग्रेस (गैर राजनीतिक) ने आज दोपहर में इस संबंध में देशभर के ट्रांसपोर्ट यूनियनों की बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।देशभर के तमाम राज्ध्यों में केंद्र सरकार के नए हिट एंड रन कानून का जमकर विरोध हो रहा है. ड्राइवरों के साथ तमाम ट्रांसपोर्ट यूनियनें इस कानून के विरोध में सड़कों पर उतर आई हैं। तमाम जगह आज भी चक्का जाम और बसों–ट्रकों की हड़ताल की सूचना है. इस हड़ताल में प्राइवेट बसों, ट्रकों से लेकर सरकारी महकमे में शामिल प्राइवेट बसें भी शामिल हो रही हैं।दरअसल, हिट एंड रन के नए कानून के तहत केंद्र सरकार ने 10 साल की सजा एवं 10 लाख जुर्माना लगाने का प्रावधान लागू किया है.

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपार्ट कांग्रेस के अध्ध्यक्ष अमृत लाल मदान ने बताया कि ट्रांसपोर्ट यूनियन ड्राइवरों के समर्थन आ गयी हैं. इस मामले में आज दोपहर को देशभर की तमाम यूनियनों की बैठक बुलाई गयी है। इसी बैठक में आगे की रणनीति तय की जाएगी और तय रणनीति के अनुसार आगे विरोध के तरीके अपनाए जाएंगे।अमृत लाल मदान ने बताया कि मौजूदा समय 95 लाख से ज्यादा ट्रक पंजीकृत हैं, इनमें से 70 लाख ट्रक एक समय में रोड पर चलते हैं. इसमें से 30 से 40 फीसदी ट्रक रास्ध्ते में खड़े हो गए हैं. इस हिसाब से यदि मोटा–मोटा अनुमान लगाया जाए तो एक साथ चलने वाले 70 लाख ट्रकों में से करीब 25 लाख से अधिक ट्रकों के पहिए थम गए हैं. इस तरह जल्ध्द ही जरूरी सामान की सप्ध्लाई प्रभावित हो सकती है।

गलन से ठिठुरे लोग, धूप से नहीं मिली राहत

हरदोई (संवाददाता)। सर्द हवा व गलन से रविवार को भी लोग परेशान रहे। दोपहर बार सूर्य देव तो दिखे मगर धूप में तेजी न होने से लोगों को सर्दी से कोई राहत नहीं मिली। अगले दो कोहरा व सर्दी का प्रकोप इसी तरह रहने की संभावना जताई गई है। रात के तापमान में गिरावट आने की संभावना है। सुबह बादल छाने के साथ ही कोहरा भी रहा। दृश्यता 500 मीटर क करीब रही। पूरे दिन चार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलती रहीं। सर्द हवा चलने और धूप न निकलने से लोग गलन से परेशान रहे। अवकाश का दिन होने के कारण सड़क पर लोगों की आवाजाही कम रही। बाजार में भी रौनक कम रही। दोपहर बाद सूरज चमके, मगर उसमें तेजी नहीं दिखी। इससे लोगों को सर्दी से कोई राहत नहीं मिली। लोग ने सर्दी से बचाव के लिए अलावा का सहारा लिया। शाम होते होते गलन और बढ़ गई। वेधशाला प्रभारी आरसी वर्मा के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस रहा। वेधशाला प्रभारी के अनुसार, सोमवार सुबह घना कोहरा रहने की संभावना है। सर्दी से कोई राहत मिलने की उमीद नहीं हैं। सोमवार और मंगलवार को तापमान में गिरावट हो सकती है।

देश और प्रदेश के समस्त कर्मचारी साथियों को नव वर्ष 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Happy new Year

कृतार्थ सिंह
प्रांतीय अध्यक्ष
मि.ए.ई.डि.उत्तर प्रदेश ,लखनऊ

देश और प्रदेश के सभी कर्मचारी साथियों को नव वर्ष 2024 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं

Happy new Year

अजय सिंह
प्रांतीय अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ
तथा मुख्य संरक्षक एवं सलाहकार मि.ए.ई.डि.उत्तर प्रदेश

सभी देश एवं प्रदेश तथा जनपद जौनपुर वासियों को नव वर्ष 2024 एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

Happy new Year

डॉ प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव
टी. बी.अस्पताल, मीडिया प्रभारी डिप्लोमा
फार्मासिस्ट एसोसियेशन उत्तर प्रदेश शाखा, जौनपुर

अंतराष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता में सनबीम स्कूल की प्राख्या यादव का प्रदेश में दूसरा स्थान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) डाक मण्डल मार्च में अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता के अंतर्गत ष्कल्पना कीजिए कि आप एक सुपर हीरो हैं और आपको दुनिया भर की सड़कों को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाना हैष शीर्षक पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित किया गया था जिसमें सनबीम स्कूल की प्राख्या यादव ने प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया इस प्रतियोगिता में शहर के स्कूल के दर्जनों विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।लेखन प्रतियोगिता का 10000 धनराशि का चेक व प्रमाण पत्र से प्राख्या यादव को पुरस्कृत करते हुए अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एच के यादव ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी से यह जानना है कि दुनिया भर की सड़कों को बच्चों के लिहाज से कैसे सुरक्षित बनाना चाहिए साथ ही कैसे सड़कों के लिए सुन्दर भारत के निर्माण की परिकल्पना करते हैं द्य साथ ही साथ उनके अन्दर सुन्दर देश के प्रति राष्ट्र भक्ति की भावना जागृत करते हुए सोशल मीडिया से दूर हटकर लेखन के प्रति अभिरुचि को बढावा देना है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया के क्रान्ति युग में आज की युवा पीढ़ी में लेखन के प्रति रुचि कम होती जा रही है एवं केवल प्रतियोगी परीक्षा के लिए छात्र लेखन का अभ्यास करते है जबकि पूर्व में एक–एक शब्द पर गहनता से विचार करके हृदय के उद्‌गारों को लेख में लिखा करते थे जो पाठक के हृदय को भाव विभोर कर दिया करता था।

राम जन्मभूमि मे प्राण प्रतिष्ठा तक संचालित होंगे एल०ई०डी० वाहन - उप निदेशक सूचना

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) उप निदेशक सूचना अयोध्या धामध्प्रभारी मुख्यमंत्री मीडिया सेन्टर लखनऊ डॉ0 मुरलीधर सिंह ने बताया है कि सूचना निदेशक उ0प्र0 के कार्यालय से प्राप्त सूचना के आधार पर अयोध्या जनपद को दिनांक 22 जनवरी 2024 श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह आदि के लिए जनपद को 21 एल0ई0डी0 वाहन आगामी 25 जनवरी 2024 तक प्राप्त हुई है जो प्रचार एजेंसियों के माध्यम से संचालित होते है।इनका मुख्य कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमो का सजीव प्रसारण तथा सांस्कृतिक एवं धार्मिक सीरियल पर आधारित कार्यक्रम व शासन की योजनाओं को प्रसारित करना है।इनकी प्रसारण की अवधि लगभग 08 से 09 घंटे तक होती है।इसके लिए एल0ई0डी0 वैनो को अयोध्या शहर के विभिन्न स्थानों यथा– गुप्तारघाट, कनक भवन, कारसेवकपुरम, रामकथा संग्रहालय, भजन संध्या स्थल, तुलसी उद्यान, अयोध्या धाम बस अड्डा, नगर निगम कार्यालय आदि के साथ–साथ तहसील तथा–मिल्कीपुर, बीकापुर, रूदौली व गोसाईगंज में तथा ब्लाक यथा– पूराबाजार, तारून, मयाबाजार, मिल्कीपुर, मवई, अमानीगंज, सोहावल, मसौधा, हरिंग्टनगंज व बीकापुर ब्लाक में तथा नगर पंचायत यथा–भरतकुण्ड, गोसाईगंज व कटरौली आदि के क्षेत्रो में प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वाहनो को तैनात किया गया है।एल0ई0डी0 वैन के ऑपरेटर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों, सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियों के निर्देशानुसार संचालित करेंगे तथा मा0 वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के निर्देश पर इसमें कोई परिवर्तन होगा तो तत्काल इस व्हाटसअप ग्रुप के माध्यम से जानकारी दी जायेगी तथा इसमें विशिष्टजनो के आगमनध्प्रस्थान को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा तथा आगामी दिनो में सूचना विभाग से और एल0ई0डी0 वाहनध्एल0ई0डी0 वाल आने की संभावना है। शहर के अन्य स्थानों पर मा0 जनप्रतिनिधिगणों व साधु–संतो की मांग पर स्थापित की जायेगी तथा पुनः निर्धारण किया जायेंगा। पुलिस नगर ग्रामीण के निर्देशानुसार उसको निर्धारित किया जायेगा।

साल के पहले दिन 48 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया रामलला का दर्शन

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। नव वर्ष के पहले दिन लोगों ने मठ–मंदिरों में दर्शन–पूजन कर दिन की शुरुआत की। सोमवार को बड़ी संख्या में रामनगरी पहुंचे लोगों ने सरयू में स्नान कर हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि व कनक भवन सहित प्रमुख मठ मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। जानकारी के अनुसार साल के पहले दिन 48 हजार 821 श्रद्धालुओं ने रामलला का दर्शन किया।मध्यप्रदेश की श्रद्धालु रोशनी उपाध्याय ने कहा कि नए वर्ष पर सरयू स्नान के बाद हनुमानगढ़ी व जन्मभूमि जाकर दर्शन–पूजन किया और निर्माणाधीन मंदिर भी देखा। उन्होंने कहा कि अयोध्या की बदलती तस्वीर को देखकर बहुत अच्छा लगा। उत्तराखंड के विनोद कुमार ने कहा कि नए वर्ष की शुरुआत अयोध्या में दर्शन–पूजन के साथ हुई है। रामलला का मंदिर बन चुका है, 22 जनवरी को रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा होने के बाद मंदिर में दर्शन–पूजन के लिए अयोध्या आएंगे।

समस्त जनपद वासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

श्रीमती अस्मिता सेन खण्ड विकाश अधिकारी सिरकोनी जौनपुर

ज्ञान और केवल ज्ञान ही लोगों को दुख से बाहर निकाल सकता है: अंबरीष

शाहाबाद (हरदोई) शिव सत्संग मंडल आश्रम एवं सिद्धनाथ बाबा मंदिर ग्राम हुसैनपुर धौकल में नववर्ष आध्यात्मिक चेतना और साधना वर्ष के रूप में रुद्राभिषेक कर मनाया गया। इस अवसर पर जहां सभी ने सकारात्मक सोच अपनाने का संकल्प लिया। नववर्ष से अपने अंदर की बुराइयों को छोड़ने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर इस अवसर पर शिव सत्संग मंडल के धर्म अध्यात्म प्रेरक अंबरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि नव–वर्ष का उत्सव वास्तव में समय का सम्मान करना है। समय का सम्मान करना मन का सम्मान करना है। मन का सम्मान करने का अर्थ है स्वयं का सम्मान करना। यदि स्वयं का सम्मान करने का यह तरीका जानना है, तो स्वयं को पवित्र बनाना होगा। उन्होंने बताया कि यद्यपि हम भारतीयों के द्वारा नववर्ष चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाता है। तथापि लोक व्यवहार की दृष्टि से ईस्वी सन् की परंपरा भारत व सम्पूर्ण विश्व में अभी भी प्रचलित है। सनातन हिन्दू वैदिक संस्कृति में सभी मतों और संप्रदायों का समान रूप से आदर है। वैदिक मतानुसार हमें सब ओर से शुभ, कल्याणकारी विचार और श्रेठताएं संग्रहित करनी चाहिए। इस दृष्टि से नव उल्लास ,नवोत्साह और नव उमंग के साथ अंग्रेजी नववर्ष का यह सूर्य राष्ट्र के लिए सर्वथा शुभ और आह्लादकारी सिद्ध हो।कहा कि समय आपके शरीर को परिवर्तित करता ही है, लेकिन आपके भीतर भी समय को परिवर्तित करने की क्षमता है। आप किसी भी समय को बेहतर बना सकते हैं। कुछ लोग अच्छा समय आने की प्रतीक्षा करते हैं, तो कुछ लोग हर समय को अच्छा समय बना लेते हैं। जब आप आध्यात्मिक पथ पर होते हैं तो समय भागता है, अन्यथा समय घिसट रहा होता है। जब आपके मन की स्थिति सही नहीं है, तो समय एक बाधा है। तो आइए, हम संकल्प लें कि आने वाले वर्ष के प्रत्येक क्षण का उपयोग समाज और राष्ट्र पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए करेंगे।

कहा कि आज उमंग, उत्साह व आशाओं का दीप मन में जलाकर मानवता में नई क्रांति का श्रीगणेश आवश्यक है। वर्तमान में सारा विश्व काम, क्रोध, लोभ, मोह अहंकार रूपी विकृतियों के कारण अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार आतंकवाद से कराह रहा है। उन्होंने स्पष्ट बताया कि ज्ञान और केवल ज्ञान ही लोगों को दुख से बाहर निकाल सकता है। भौतिकता लोगों को दुख से बाहर नहीं निकाल सकती। हां, थोड़ी सी भौतिक चीजें क्षणिक राहत अवश्य देती हैं, लेकिन यह ज्ञान ही है, जो वास्तविक और दीर्घकालिक राहत दिलाता है। इस वर्ष यह सोचिए कि हम गांव–गांव तक यह ज्ञान कैसे पहुंचाएं।

मित्र परिवार के संयोजक अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि नववर्ष आराध्य भगवान महादेव जी की असीम अनुकम्पा से सनातन परंपरा से षमित्र परिवार ष्भारतष के सभी सम्मानित सदस्यो के साथ भगवान का भजन पूजन कर सामूहिक रूप से भोज कर बहुत ही आनन्द और उल्लास के साथ मनाया। भगवान महादेव की ही कृपा है जो समय समय पर वो अपनी सेवा का मौका हम सभी मित्र परिवार के परिवार जनों के साथ मौका दे देते है। हमसे जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को बाबा महादेव इस वर्ष 2024 को अपना विशेष आशीर्वाद देकर सभी भक्त जनों का जीवन खुशियों और उल्लास से भर देगे।

आज मुख्य रूप से रूद्राभिषेक में शिव सत्संग मंडल के अध्यक्ष आचार्य अशोक जी, मित्र परिवार के संस्थापक सदस्य गोपाल त्रिपाठी , कोष प्रमुख शिव प्रसाद श्रीवास्तव , संस्थापक सदस्य आशुतोष मिश्र , प्रभाकर बाजपेई , योगेंद्र यादव अनूप शर्मा , संतोष कुशवाहा , अनिल कुमार सिंह , राधा गोपाल त्रिपाठी , कंचन गुप्ता , महात्मा नाहर सिंह, डॉ रामावतार रामनिवास देव सिंह, पंकज कुमार सिंह अंकित कंचन पंकज कुमार सक्सेना,सत्यम सक्सेना , नवीन गुप्ता, कमलेश यादव, जमुनादीन , महात्मा शांतानंद जी महाराज प्रदीप मिश्रा, संदीप श्रीवास्तव अजय कुमार गुप्ता , संजीव चौरसिया आमोद अग्निहोत्री छवि सक्सेना, प्रिंसी,शुभी, अनमोल यादव आदि प्रमुख से उपस्थित रहे।

दिव्यांग शादी अनुदान हेतु रजिस्ट्रेशन हुआ प्रारम्भ।

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिलाधिकारी नितीश कुमार ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी–विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15 हजार रुपये व युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20 हजार रुपये तथा युवक–युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35 हजार रुपये धनराशि प्रदान की जाती है। योजना हेतु निम्न पात्रता की शर्तें है, जिसमें शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो। युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हो, दम्पत्ति में कोई भी आयकर दाता न हो, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांग प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए, ऐसे दिव्यांग दम्पत्ति पात्र होंगे जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एंव वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो। इस योजना के लिए यदि विवाह प्रमाण–पत्र उपलब्ध है, तो उसकी छायाप्रति स्वप्रमाणित कर उसे अपलोड किया जाना स्वैच्छिक होगा। दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत इच्छुक दिव्यांग दम्पत्ति जिनका विवाह वर्तमान वित्तीय वर्ष एवं गत वित्तीय वर्ष (01 अप्रैल 2022 से आज तक) में सम्पन्न हुआ हो, ऐसे दिव्यांग दम्पत्ति शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार अनुदान प्राप्त करने हेतु आन लाइन कपअलंदहरंद.नचेकब.हवअ.पद पर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदक दम्पत्ति दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, आय व जाति प्रमाण पत्र, युवक एवं युवती का आयु का प्रमाण (जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो), सक्षम अधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र एंव युवक, युवती का आधार कार्ड की छाया प्रति आदि अभिलेखों के साथ आवेदन पत्र ऑनलाइन उपरोक्त वेबसाइट पर अपलोड करते हुए आवेदन करें, साथ ही ऑनलाइन सबमिट आवेदन पत्र की प्रिंट प्रति एवं अपलोड किये गये वांछित प्रपत्रों की स्वप्रमाणित हार्डकापी कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करें। उक्त जानकारी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अयोध्या ने दी है।

समस्त जनपद वासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

राजीव कुमार श्रीवास्तव (रोशन)
आशुलिपिक मुख्य विकाश अधिकारी, विकाश भवन, जौनपुर

समस्त जनपद वासियों को नव वर्ष एवं मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

गौरवेंद्र कुमार सिंह
खंड विकास अधिकारी खुटहन, जौनपुर

नव वर्ष व मकर संक्रांति की समस्त जनपद वासियों देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

राजेश कुमार पांडेय
उप निबंधक, सदर, जौनपुर

समस्त जनपदवासियों को नववर्ष व मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

समस्त जनपद वासियों व देशवासियों को नव वर्ष व मकर संक्रांति पर्व की हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं

अजय कुमार श्रीवास्तव
सीनियर असिस्टेंट (प्रधान सहायक)
कार्यलय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जौनपुर

समस्त जनपदवासियों को नववर्ष व मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

डॉ अंजू कन्नौजिया

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।